

---

natopadeshastotram

नतोपदेशस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : natopadeshastotram

File name : natopadeshastotram.itx

Category : deities\_misc

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Description-comments : Devi book stall, Kodumgallur, Kerala

Source : Sthothra Rathnaakaram, edited by N. Bappuravu, 2010

Latest update : August 6, 2016

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 3, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

नतोपदेशस्तोत्रम्



मनः समाधौ परमार्थरङ्गं विधाय निष्पन्दमनुत्तरङ्गम् ।  
बुधा विधातुं भवभीतिभङ्गं विभुं भजध्वं गिरिजाभुजङ्गम् ॥ १ ॥

पाश्यावशेनेव मडाविडङ्गं वल्गाबलेनेव मडातुरङ्गम् ।  
निरुध्य योगेन मनःप्लवङ्गं विभुं भजध्वं गिरिजाभुजङ्गम् ॥ २ ॥

मन्त्रौषधादिडियया भुजङ्गं यथा तथा वागुरया कुरङ्गम् ।  
मनस्तदायम्य धियास्तसङ्गं विभुं भजध्वं गिरिजाभुजङ्गम् ॥ ३ ॥

मित्वालिङ्कं सुभुङ्कुटीविभङ्गं यस्याग्निरुधद्रभसादनङ्गम् ।  
ददाड तं मोडतमःपतङ्गं विभुं भजध्वं गिरिजाभुजङ्गम् ॥ ४ ॥

वडन्तमुद्दामभुजङ्गमङ्गं जटाभरं निर्भरनाङ्गङ्गम् ।  
विलोचनं याग्निशिभाविषङ्गं विभुं भजध्वं गिरिजाभुजङ्गम् ॥ ५ ॥

भवबन्धबद्धविधुरोद्धरणं इण्डिमण्डलज्वलदलङ्कुरणम् ।  
प्रजत क्षमाधरदरीशरणं शरणं तुषारकिरणामरणम् ॥ ६ ॥

इताघस्मरनिराकरणं कटुकालकूटकबलीकरणम् ।  
भजत प्रपन्नजनताशरणं शरणं तुषारकिरणामरणम् ॥ ७ ॥

मरुभेदिनीरथितसञ्चरणं त्रिदशेन्द्रशेभरनतयरणम् ।  
प्रजत त्रिदुःखडरस्मरणं शरणं तुषारकिरणामरणम् ॥ ८ ॥

प्रातज्जनजितजराभरणं रथयन्तमामभवनिस्सरणम् ।  
प्रजताडितत्रिपुरसंडरणं शरणं तुषारकिरणामरणम् ॥ ९ ॥

अवधूतमोडतिमिरावरणं करिकुत्तकल्पितपरावरणम् ।  
प्रजत प्रकल्पितपुरेशरणं शरणं तुषारकिरणामरणम् ॥ १० ॥

तरुणतमालमलीमसतावं ज्वलनशिभापटलोज्ज्वलमालम् ।  
शिरसि लसत्परमेष्ठिकपालं श्रयत विभुं डतकल्मषजालम् ॥ ११ ॥

नरमुपकल्पितशेखरमालं नतजनशृम्भितमोडतमालम् ।  
नयनशिखाशतशातितकालं श्रयत विभुं उतकल्मषजालम् ॥ १२ ॥  
विषमविषाग्निशिखाविकरालं कृष्टिपतिडारमतीव विशालम् ।  
गलभुविभिन्नद्रवकरालं श्रयत विभुं उतकल्मषजालम् ॥ १३ ॥  
विदलयितुं यमृते भवनालं त्रिभुवनसीमनि कश्चन नालम् ।  
तममलमानसवासमरालं श्रयत विभुं उतकल्मषजालम् ॥ १४ ॥  
कमलपरागपिशङ्गजटालं जलधिसमर्पणतर्पितमालम् ।  
भवभटभङ्गमडाकरवालं श्रयत विभुं उतकल्मषजालम् ॥ १५ ॥  
अधिकस्मरभस्मरजोधवलं नतलोकसमर्पितभोधवलम् ।  
ध्वजधामविराजिमडाधवलं भजत प्रभुमद्रिसुताधवलम् ॥ १६ ॥  
प्रभया परिभूतदलद्भवलं गलमङ्गदरलशिखाशभलम् ।  
दधतं विषकलृममडाकभलं भजत प्रभुमद्रिसुताधवलम् ॥ १७ ॥  
शिखरं धुनदीलडरीतरलं गलमूलमुपोढमडागरलम् ।  
दधतं लृद्यं य सुधासरलं भजत प्रभुमद्रिसुताधवलम् ॥ १८ ॥  
अपनीतकुर्मकलङ्गमलं नतलोकवितीर्णमडाधमलम् ।  
ददतं शुभसिद्धिविपाकमलं भजत प्रभुमद्रिसुताधवलम् ॥ १९ ॥  
दधतं वयनं धनडासकलं नमतां दलयन्तमधं सकलम् ।  
भजतां य द्दिशन्तमभीष्टकलं भजत प्रभुमद्रिसुताधवलम् ॥ २० ॥  
एति नतोपदेशस्तोत्रं समाप्तम् ॥

Proofread by PSA Easwaran

---

natopadeshastotram  
pdf was typeset on February 3, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

